आस्था की छांव पर वाहनों का कब्जा, धूप में तप रहे श्रद्धालु

अधिक मास में श्रद्धालु हो रहे परेशान, 84 महादेव और सप्तसागर पर यात्रियों का अंबार

▶ कैनोपी के नीचे ऑटो ई रिक्शा और कार का जमावड़ा

उज्जैन। धर्मनगरी में इन दिनों अधिक मास के चलते सप्तसागर पूजन और 84 महादेव यात्रा का अद्भुत आध्यात्मिक वातावरण बना हुआ है। देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु पुण्य लाभ लेने पहुंच रहे हैं। भीषण गर्मी के बीच श्रद्धालुओं को राहत देने के लिए जिला प्रशासन और नगर निगम द्वारा कई स्थानों पर कैनोपी, टेंट और शामियाने लगाए गए, ताकि दर्शनार्थी धूप से बच सकें। जिन व्यवस्थाओं का उद्देश्य श्रद्धालुओं को छांव देना था, उन्हीं पर अब वाहनों ने कब्जा जमा लिया है। यात्रियों के लिए बनाई गई छांव के नीचे ई-रिक्शा, ऑटो और निजी चार पहिया वाहन खड़े किए जा रहे हैं। श्रद्धालु खुले आसमान के नीचे तपती धूप में खड़े रहने को मजबूर हैं। बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चे गर्मी से परेशान होकर बीमार पड़ रहे हैं। श्रद्धालुओं का कहना है कि जिन स्थानों पर उन्हें कुछ पल राहत मिलनी चाहिए थी, वहां अब वाहन चालकों ने अस्थायी पार्किंग बना दी है।

अधिक मास में भी वाहन चालकों के मनमानी

अधिक मास में सप्तसागर स्नान और 84 महादेव यात्रा का विशेष धार्मिक महत्व माना जाता है। ऐसे समय जब श्रद्धालु आस्था और विश्वास लेकर उज्जैन पहुंच रहे हैं, वहीं कुछ लोक परिवहन चालकों की मनमानी यात्रियों की परेशानी बढ़ा रही है। प्रीपेड बूथ व्यवस्था होने के बावजूद कई स्थानों पर नियमों की अनदेखी कर मनमाना किराया वसूला जा रहा है। श्रद्धालुओं से बहस और दबाव बनाकर अधिक धन लिया जा रहा है, जिससे बाहर से आए यात्रियों में नाराजगी बढ़ रही है। यात्रा मार्गों पर अव्यवस्थाओं की तस्वीर भी सामने आने लगी है। सप्तसागरों के आसपास कई जगह पूजा सामग्री और कचरा बिखरा दिखाई दे रहा है। 84 महादेव के अनेक प्राचीन मंदिर संकरी गलियों में स्थित हैं, जहां भारी भीड़ के कारण आवाजाही प्रभावित हो रही है। कई स्थानों पर पेयजल, छांव और विश्राम जैसी मूलभूत सुविधाएं भी अपर्याप्त नजर आ रही हैं। लंबी कतारों में घंटों खड़े रहने से श्रद्धालु थकान और गर्मी से बेहाल हो रहे हैं। लेकिन वाहन चालकों को इन पर दया नहीं आती है। जबकि गर्मी में लोग प्याऊ खोलकर प्यासों को पानी पिलाकर पुण्य अर्जित करते हैं।

कैनपी के नीचे वाहन-श्रद्धालुओं की उपेक्षा

धार्मिक नगरी में उमड़ रही आस्था की इस भीड़ के बीच अब आवश्यकता इस बात की महसूस की जा रही है कि जिला प्रशासन, नगर निगम और पुलिस प्रशासन संयुक्त रूप से सख्ती से व्यवस्था संभाले। कैनोपी और टेंट के नीचे वाहन खड़े करने वालों पर कार्रवाई हो, प्रीपेड परिवहन व्यवस्था को प्रभावी बनाया जाए और श्रद्धालुओं के लिए छांव, पेयजल तथा सुचारु दर्शन व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उज्जैन केवल एक शहर नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र है। यहां आने वाला हर श्रद्धालु सम्मान, सुविधा और सहज दर्शन की अपेक्षा लेकर आता है। ऐसे में व्यवस्थाओं पर कब्जा और यात्रियों की परेशानी कहीं न कहीं धार्मिक भावना को भी आहत कर रही है।

रिवर्स आते डंपर के नीचे दबने से ड्राइवर की मौत

उज्जैन। रात 3 बजे तक डंपर चलाने के बाद खड़ा कर उसके पीछे ही ड्राइवर सो गया था। तड़के दूसरा ड्राइवर आया और उसने डंपर स्टार्ट कर रिवर्स लिया इस दौरान पीछे सोए ड्राइवर की दबने से मौत हो गई। नरवर थाना पुलिस ने बताया कि ग्राम करछा में काली मिट्टी का डंपर चलाने वाला ड्राइवर ज्ञान सिंह पिता अंबाराम यादव 35 साल बदली में डंपर चलाने के लिए पहुंचा था। रात 3 बजे तक उसने डंपर चलाया और वहीं पर खड़ा कर डंपर के पीछे सो गया। तड़के दूसरी शिफ्ट का ड्राइवर आया और उसने डंपर स्टार्ट कर रिवर्स लिया जैसे ही पहिया पीछे घूमा सो रहा ड्राइवर ज्ञान सिंह चपेट में आ गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई मामले की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पहुंचे और परिजनों को सूचना दी। ज्ञान सिंह मूल रूप से उत्तर प्रदेश का रहने वाला था। कुछ सालों पहले वह उज्जैन आया था और अगर रोड स्थित खिलचीपुर नाके पर रह रहा था जहां से उसने मकान खाली कर नीलगंगा क्षेत्र में रहने वाले रिश्तेदार के यहां पनाह ले रखी थी। परिजनों के अस्पताल पहुंचने पर पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया है वहीं डंपर को भी जप्त करने कार्रवाई शुरू कर दी है।

एक नजर में

समस्याओं के निराकरण के लिए सौंपेंगे ज्ञापन

उज्जैन। मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ ने संगठन के कार्य विस्तार के तहत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में पदस्थ लेखपाल विकास राजपूत को स्वास्थ्य विभागीय समिति का जिला संयोजक मनोनीत किया है। संघ द्वारा उन्हें उज्जैन जिले के स्वास्थ्य कर्मचारियों की समस्याओं के निदान के लिए विभागीय अधिकारियों से पत्राचार करने और ज्ञापन सौंपने हेतु अधिकृत किया गया है। इस नियुक्ति से कर्मचारियों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने में मदद मिलेगी। विकास राजपूत की नियुक्ति पर राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष दीपक रोहित, प्रदेश संगठन मंत्री मनोहर गिरी, संभागीय अध्यक्ष मांगीलाल पाटीदार, जिला अध्यक्ष ओम प्रकाश यादव, संभागीय उपाध्यक्ष राजकुमार सोलंकी, कार्यकारी अध्यक्ष शैलेंद्र सिंह ठाकुर एवं नियुक्तिकर्ता जिला सचिव राम सिंह बनिहार ने बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की है।

शहर कांग्रेस ने पं. नेहरू को किया याद

उज्जैन। देश के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि पर शहर कांग्रेस ने उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर शहर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश भाटी ने कहा कि आज जब चांद पर यान उतरता है तो चाचा नेहरू याद आते हैं। संगठन महासचिव अजय राठौर ने बताया कि श्रद्धांजलि कार्यक्रम में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में उपस्थिति दर्ज कर देश के नवनिर्माण में उनके योगदान को नमन किया। इस अवसर पर मनोहर बैरागी, डॉ. रवि राय, सत्यनारायण पंवार, राजेश राणा, सुनील कछवाय, देवव्रत यादव, आनंद मीणा, अरुण रोचवानी, बंटी वसीम, धीरज यादव, अभिषेक शर्मा, वरुण शर्मा, बबलू खींची, मनीष गोमे, सुरेश वासनिक, हेमंत गोमे, चेतन भाट, गोसर, अर्पित यादव, धर्मेंद्र ठाकुर, दीनू बड़ोदिया, राजेंद्र राठौर, असरार मामू, उत्तम जयसवाल, प्रकाश सोलंकी, बाबू भाई मोयदी, श्याम जटिया, वंदना मिमरोट और नीलम विश्वास सहित कई कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

दिल्ली फैशन रनवे में चमके शिवम

उज्जैन। देश की राजधानी दिल्ली में आयोजित प्रतिष्ठित फैशन डिजाइनर रनवे वीक में मध्य प्रदेश के उज्जैन के उभरते हुए फैशन मॉडल शिवम पंचोली ने रैंप पर अपना जलवा बिखेरा। इस राष्ट्रीय स्तर के बड़े फैशन इवेंट में पूरे भारत से 50 से अधिक चुनिंदा मॉडल्स ने भाग लिया था। जिसमें मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाले शिवम पंचोली इकलौते मॉडल थे। इस शो के दौरान शिवम ने मशहूर फैशन डिजाइनर किंगशुक भादुरी के एक्सक्लूसिव कामाख्या ब्रांड को रैंप पर पेश किया। शिवम पंचोली ने अपनी शानदार वॉक और बेहतरीन स्टाइल से न सिर्फ डिजाइनर्स का दिल जीता, बल्कि राष्ट्रीय मंच पर उज्जैन और मध्य प्रदेश का नाम भी रोशन किया।

मोबाइल सिम से दुर्घटना में मृत युवक की शिनाख्त

मंगलवार की शाम को पुलिस ट्रेनिंग सेंटर के सामने हुई थी वारदात

उज्जैन। मक्सी रोड पर मंगलवार शाम हुई दुर्घटना में मृतक युवक की पहचान उसके पास मिले मोबाइल की सिम के आधार पर पुलिस ने देर रात कर ली। मृतक नरवर का रहने वाला था। रात में ही परिजन अस्पताल पहुंच गए थे।

पंवासा थाना पुलिस ने बताया कि देर शाम पुलिस ट्रेनिंग सेंटर के सामने हुई दुर्घटना में बाइक पर सवार युवक निर्माण कार्य में लगे सीमेंट मिक्सर की चपेट में आ गया था मौके पर ही पहिए के नीचे दबने से उसकी मौत हो गई थी। दुर्घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची मृतक के पास पहचान का कोई दस्तावेज नहीं मिला। मोबाइल उसकी जेब में था जो पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुका था। मृतक की बॉडी अस्पताल पहुंचाई गई और पहचान के प्रयास शुरू किए गए। बाइक नंबर शाजापुर पासिंग था, लेकिन उसे पहचान नहीं हो पाई रात में पुलिस ने उसके मोबाइल की सिम को निकाला और दूसरे मोबाइल में डालकर उसमें दर्ज नंबरों पर कॉल किया। दौरान सामने आया कि मोबाइल गोकुल पिता शंकर लाल 34 साल निवासी ग्राम बोड़ानी नरवर का है। पुलिस ने नरवर पुलिस के माध्यम से परिजनों को सूचना दी। रात में ही परिजन अस्पताल पहुंच गए थे उन्होंने बताया कि ताजपुर स्थित बिजली विभाग में ठेकेदारी पर काम करता था। मोबाइल नंबर से हुई पहचान के बाद बुधवार सुबह पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया है। घटनास्थल से दुर्घटना में शामिल सीमेंट मिक्सर वाहन को जब्त कर लिया है।

भाजपा का दो दिवसीय जिला प्रशिक्षण वर्ग आज से

▶ राजाराम रिसॉर्ट में होगा आयोजन सीएम करेंगे शिरकत

उज्जैन। भारतीय जनता पार्टी के पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के अंतर्गत दो दिवसीय जिला प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन 28 एवं 29 मई को स्थानीय राजाराम रिसॉर्ट में किया जाएगा। प्रशिक्षण वर्ग की तैयारियों को लेकर भाजपा नगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने प्रशिक्षण स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा वर्ग के सफल संचालन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जिला मीडिया प्रभारी दिनेश जाटवा ने बताया कि प्रशिक्षण वर्ग की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं तथा 28 मई से नगर के सभी अपेक्षित कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण प्रारंभ होगा। इस प्रशिक्षण वर्ग में लगभग 200 कार्यकर्ताओं की सहभागिता रहेगी, जिनमें सांसद, विधायक, जिला पदाधिकारी, जिला मोर्चा अध्यक्ष एवं महामंत्री, मंडल प्रभारी, प्रकोष्ठ संयोजक, मंडल अध्यक्ष एवं महामंत्री, प्रदेश पदाधिकारी, राष्ट्रीय एवं प्रदेश समिति सदस्य शामिल होंगे। भाजपा नगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने कहा कि दो दिवसीय यह प्रशिक्षण वर्ग पूर्णतः आवासीय होगा, जिसमें सभी अपेक्षित कार्यकर्ताओं को निर्धारित स्थल पर रहकर प्रशिक्षण प्राप्त करना अनिवार्य रहेगा। प्रशिक्षण देने हेतु भाजपा के प्रशिक्षित पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता विभिन्न सत्रों में मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण वर्ग में प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल जी भी शामिल होंगे। अग्रवाल ने अपेक्षित सभी कार्यकर्ताओं से 28 मई को प्रातः 9 बजे समय पर राजाराम रिसॉर्ट पर प्रशिक्षण वर्ग में उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं।

महापौर मुकेश टटवाल ने किए धार भोजशाला में मां वाग्देवी के दर्शन

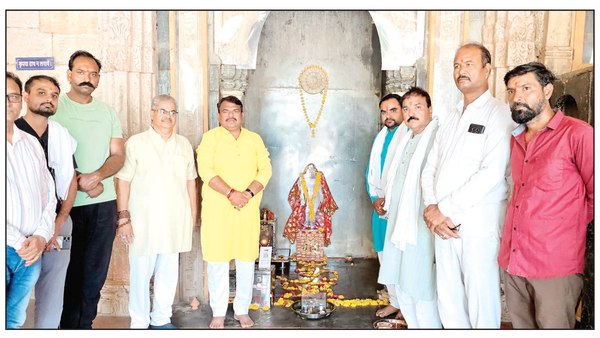

उज्जैन। सोमवार को महापौर मुकेश टटवाल द्वारा धार जिले में स्थित भोजशाला में माता सरस्वती जी के दर्शन किए। साथ ही गोपाल शर्मा जिनके द्वारा पूरा जीवन भोजशाला स्थित सरस्वती माता के मंदिर के संघर्ष में बिताया गया जिनका सम्मान किया गया। महापौर ने भोजशाला मंदिर दर्शन उपरांत जानकारी देते हुए बताया गया कि 720 वर्षों के बाद धार स्थित भोजशाला में मां वाग्देवी सरस्वती माता का पूजन का अधिकार मिला है। इस दौरान प्रकाश शर्मा, कैलाश प्रजापत, हेमंत दौराया, संजय देवड़ा, मृणाल दोराया, किशन द्विवेदी, केशव शर्मा, विशाल उपस्थित रहे।

टाइल्स कारोबारी ने रात को दुकान में जाकर लगाई फांसी

▶ पुलिस जांच में जुटी, अभी परिजनों के बयान नहीं हो पाए

उज्जैन। रात भर घर नहीं लौटे टाइल्स कारोबारी को परिजन बुधवार सुबह तलाश में निकले तो उसका शव दुकान में लोहे की जंजीर से लटका मिला। पुलिस में मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू की है।

वेदनगर में रहने वाला अक्षांश पिता सतीश जैन 35 साल दो तालाब के दिनेश पेट्रोल पंप के समीप हाउस का टाइल्स की दुकान संचालित करता था। रात भर घर नहीं लौटने पर भाई अमित जैन सुबह तलाश में निकला और दुकान तक पहुंचा। दुकान का ताला खुला हुआ था उसने जैसे ही शटर उठाया तो अक्षांश लोहे की जंजीर से फंदे पर लटका दिखाई दिया। परिवार को सूचना दी गई मामले की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। अक्षांश का शव फंदे से उतरकर अस्पताल लाया गया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंपा है। इस दौरान सामने आया कि रात 11 बजे अक्षांश खाना खाने के बाद घर से निकला था और कहा था कि गोदाम से होकर आ रहा है। गोदाम दुकान के पास ही था। फिलहाल परिजनों के गमगीन होने पर फांसी लगाने की वजह सामने नहीं आई है पुलिस के अनुसार बयान और जांच के बाद ही लोहे की जंजीर से फांसी लगाने की वजह सामने आ पाएगी। मृतक का मोबाइल भी जांच में लिया जाएगा घटना स्थल को सील कर दिया गया है। जिसे परिजनों की मौजूदगी में अंतिम संस्कार की प्रक्रिया के बाद खोला जाएगा।

दर्शन से पहले तालाब में नहाने उतरा युवक डूबा

उज्जैन। दूधेश्वर महादेव के दर्शन करने से पहले नहाने के लिए तालाब में उतरा युवक डूब गया। दोस्त ने परिजनों और पुलिस को सूचना दी। करीब तीन से चार घंटे की तलाश के बाद युवक को बाहर निकाला गया उसकी मौत हो चुकी थी। माकडोन के ठकराल में रहने वाला बाबूलाल पिता रामचंद्र सोलंकी मजदूरी करता था। मंगलवार दोपहर दोस्त सुरेश के साथ ग्राम खेड़ा चितावलिया स्थित दूधेश्वर महादेव मंदिर दर्शन करने के लिए पहुंचा था। गर्मी अधिक होने पर उसने पहले मंदिर के समीप भी तालाब में नहाने की बात दोस्त से कहीं और कपड़े उतार कर तालाब में नहाने चला गया। नहाते वक्त अचानक गहराई में जाने से डूब गया। रोशनी उसे देखा तो दिखाई नहीं दिया उसके डूबने की सूचना परिजनों को दी। पुत्र शुभम और पत्नी चंदाबाई दूधेश्वर मंदिर पहुंचे और गांव वालों की मदद से तलाश शुरू की गई। खबर मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई थी करीब तीन से चार घंटे की तलाश के बाद बाबूलाल का शव बाहर निकाला गया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल पहुंचाया बुधवार सुबह पोस्टमार्टम कराया गया प्रारंभिक रिपोर्ट में डूबने से ही मौत होना सामने आया है।

एवरेस्ट बेस कैंप की दुर्गम चढ़ाई कर लौटे शहर के चार ट्रेकर

उज्जैन। विश्व के सर्वोच्च पर्वत शिखर माउंट एवरेस्ट के बेस कैंप की कठिन और रोमांचकारी यात्रा पूरी कर 26 मई को उज्जैन लौटे यूथ हॉस्टल एसोसिएशन ऑफ इंडिया के चार वरिष्ठ सदस्यों का शहर में गर्मजोशी से स्वागत किया गया। महामृत्युंजय द्वार पर संस्था के पदाधिकारियों ने इस सफल अभियान में शामिल शशिकांत वीरकर, डॉ. राजेश योहान, अरुण देशपांडे और अंजलि देशपांडे का सम्मान कर उज्जैन को गौरवान्वित करने पर बधाई दी।

यूथ हॉस्टल उज्जैन यूनिट के अध्यक्ष गोपाल महाकाल ने बताया कि 15 दिवसीय यह ट्रेक लगभग 17,600 फीट की ऊंचाई पर किया गया। यात्रा के दौरान ट्रेकर्स को बर्फ से ढके संकरे रास्तों, तीव्र चढ़ाई, ग्लेशियर, अत्यधिक ठंड, कम ऑक्सीजन स्तर और अचानक बदलते मौसम जैसी अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ा। इन कठिन परिस्थितियों और जोखिम भरे मार्गों को पार करते हुए बेस कैंप तक की यात्रा सफलतापूर्वक पूरी करना अदम्य साहस और आत्मविश्वास का प्रतीक है।

संस्था के सदस्यों ने किया स्वागत

संस्था के मीडिया प्रभारी जयंत तेलंग ने बताया कि एवरेस्ट बेस कैंप से लौटे सदस्यों का दिलीप चौहान, गोपाल महाकाल, सचिव डॉ. निर्दोष निर्भय, प्रदीप पिंगले, श्रीकांत चौधरी, अमिताभ पंडित, संदीप शर्मा, सीबी सिंह, केसरिया टी, विपुल सहगल, कविता पंडित, साधना वीरकर और सविता बेंजामिन सहित अन्य सदस्यों ने आत्मीय स्वागत किया।

चलती ट्रेन से गिरे युवक की मौत

▶ संतुलन बिगड़ने आया चपेट में पैर कटने से हो गई मौत

उज्जैन। चलती इंदौर बिलासपुर ट्रेन में चढ़ते वक्त युवक का संतुलन बिगड़ गया और गिरकर पटरियों के बीच चला गया। पैर काटने पर युवक की मौत हो गई।

बताया जा रहा है कि आमूपुरा ताल का रहने वाला सागर पिता मनोहर लाल 24 साल शहडोल में टोल कर्मचारी था। मंगलवार को देवास पहुंचा था जहां मामा के यहां अपनी बाइक खड़ी करने के बाद देवास से ही इंदौर बिलासपुर ट्रेन में सवार हो गया। ट्रेन के उज्जैन पहुंचने पर सागर प्लेटफार्म पर सामान लेने के लिए उतरा इस दौरान ट्रेन चल दी। ट्रेन चलती देख सागर ने दौड़कर उसमें चढ़ने का प्रयास किया लेकिन संतुलन बिगड़ने पर वह गिर पड़ा। पटरियों के बीच आने पर ट्रेन की चपेट में आ गया और उसका एक पैर कट गया। घटनाक्रम के बाद जीआरपी मौके पर पहुंची और सागर को अस्पताल पहुंचाया गया लेकिन उसकी मौत हो गई थी। बुधवार सुबह परिजनों के आने पर पोस्टमार्टम कराया गया है।

पद्मिनी एकादशी का पुण्य हजारों यज्ञों के समान

▶ क्षीरसागर के शेष नारायण मंदिर में
▶ एक माह तक चलेगी कथा

उज्जैन। क्षीर सागर स्थित शेष नारायण मंदिर प्रांगण में अधिक मास के अवसर पर भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य पं. विशाल लक्ष्मीकांत शुक्ला के श्रीमुख से श्रद्धालु कथा का श्रवण कर रहे हैं। एक माह तक चलने वाले इस आयोजन में प्रतिदिन भगवान विष्णु के स्वरूपों के दर्शन और अधिक मास के महत्व का वर्णन किया जा रहा है।

सनातन धर्म में इस एकादशी का विशेष आध्यात्मिक प्रभाव माना गया है। पं. शुक्ला ने बताया कि अधिक मास भगवान विष्णु के स्वरूप को समर्पित होने के कारण पुरुषोत्तम मास कहलाता है। मान्यता है कि इस व्रत को श्रद्धा और नियमपूर्वक करने से व्यक्ति को समस्त पापों और दुखों से मुक्ति मिलती है, घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और अंत में विष्णु लोक की प्राप्ति होती है।

दान-पुण्य और व्रत से मिलती है सुख-समृद्धि

कथा के दौरान पं. शुक्ला ने अधिक मास के शुक्ल पक्ष में मनाई गई पद्मिनी एकादशी का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि यह एकादशी भगवान विष्णु को समर्पित सबसे पुण्यदायी एकादशियों में से एक है। केवल अधिक मास में आने के कारण इसका धार्मिक महत्व कई गुना बढ़ जाता है। इस दिन विधि-विधान से व्रत, पूजा और भगवान की आराधना करने से साधक को सुख-समृद्धि, वैभव और मोक्ष की प्राप्ति होती है। धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, इस एकादशी का पुण्य हजारों यज्ञों और तीर्थ स्नान के बराबर फल प्रदान करता है।

श्रावण महोत्सव... ▶ 21 वें महोत्सव की तैयारियां, 7 सितंबर तक चलेगा, आवेदन 10 जून तक कर सकेंगे

महाकाल में 30 जुलाई से श्रावण महोत्सव, कलाकार करें ऑनलाइन आवेदन

उज्जैन। महाकाल मंदिर का श्रावण महोत्सव इस बार 30 जुलाई से शुरू होगा। मंदिर प्रबंध समिति ने महोत्सव में प्रस्तुति के लिए देश-विदेश, प्रदेश व शहर के कलाकारों से ऑनलाइन आवेदन बुलाए हैं। इनमें से चयन के बाद कलाकारों के नाम फाइनल किए जाएंगे।

अखिल भारतीय श्रावण महोत्सव का यह 21 वां वर्ष रहेगा। जिसमें गायन, वादन एवं नृत्य की शास्त्रीय विधाओं में प्रविष्टियां आमंत्रित की गई है। इस बार आयोजन 7 सितंबर 2026 तक चलेगा। जिसके अंतर्गत श्रावण व भादो के शनिवार को यह आयोजन होगा।

कलाकार इस वेबसाइट पर करे आवेदन, 27 मई से लिंक खोली-श्रावण महोत्सव में भाग लेने के लिए इच्छुक कलाकार आवेदन बायोडाटा, मानदेय विवरण सहित मंदिर प्रबंध समिति की वेबसाइट www.shrimahakaleshwar.mp.gov.in पर कर सकते हैं। इसके लिए 27 मई से इसकी लिंग खोल दी गई है। 10 जून 2026 की 6 बजे तक आवेदन भेज सकते है। गायन, वादन एवं नृत्य की ऑडियो एवं वीडियो संलग्न करना अनिवार्य हैं।

प्रसिद्ध संत दादा गुरु ने किए महाकाल दर्शन

मां नर्मदा को प्रदूषण मुक्त करने सहित उसके संरक्षण को लेकर आंदोलन कर रहे प्रसिद्ध संत अवधूत दादा गुरु ने बुधवार को उज्जैन प्रवास के दौरान भगवान महाकाल के दर्शन किए। वे यहां शिप्रा तट पर आयोजित गंगा दशहरा उत्सव में भाग लेने आए थे। उनके साथ उज्जैन में उनके प्रमुख अनुयायी एवं वरिष्ठ समाजसेवी हरि सिंह यादव भी थे। श्री यादव ने बताया कि दादा गुरु पूर्व में भी कई बार उज्जैन आ चुके हैं। मां नर्मदा के संरक्षण के लिए वे पैदल परिक्रमा करते हैं तथा अन्न भी त्याग चुके हैं। वे सिर्फ नर्मदा का ही जल ग्रहण करते हैं। इसके बावजूद एक दम स्वस्थ है।